SHODH PATRA
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
ISSN : 3048-7196, Impact Factor 6.3
Vol. 2, No. 1, Year 2025
Available online : https://shodhpatra.in/

नई शिक्षा नीति 2020 और अधिगम अक्षमता: समायोजन और कक्षा प्रबंधन पर अध्ययन

डॉ0 कंचन जैन, शिक्षा शास्त्र विभाग, सनराइज विश्वविद्यालय

शोध सार

नई शिक्षा नीति 2020 अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए शिक्षा में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को समायोजित करने और उनके सीखने का प्रबंधन करने के लिए प्रभावी रणनीतियों का उपयोग करना होगा। इस शोध सार में, हमने नई शिक्षा नीति 2020 और अधिगम अक्षमता के बीच संबंध पर चर्चा की है। हमने अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को समायोजित करने और उनके सीखने का प्रबंधन करने के लिए कुछ रणनीतियों का भी सुझाव दिया है। यह शोध सार शिक्षकों, प्रशासकों और नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी होगा जो अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए शिक्षा में सुधार करने में रुचि रखते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इस नीति में अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। नई शिक्षा नीति 2020 समावेशी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है, जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि सभी बच्चों को, उनकी क्षमताओं और सीमाओं के बावजूद, शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले।

मुख्य शब्द- अधिगम अक्षमता, समायोजन, कक्षा प्रबंधन

शोध के उद्देश्य

नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में, अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के समायोजन और कक्षा प्रबंधन से संबंधित निम्नलिखित शोध उद्देश्य प्रस्तावित किए जा सकते हैं:

- अधिगम अक्षमता की पहचान और मूल्यांकन के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सुझाए गए तरीकों का अध्ययन करना।
- अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का पता लगाना।

© Shodh Patra

शोध प्रविधि

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, निम्नलिखित शोध विधियों का उपयोग किया गया है:

- साहित्य समीक्षा: अधिगम अक्षमता, समावेशी शिक्षा, और कक्षा प्रबंधन पर मौजूदा साहित्य की समीक्षा करना।
- अवलोकन: कक्षाओं में अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के व्यवहार और सीखने का अवलोकन करना।

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत सरकार द्वारा घोषित एक नई शिक्षा नीति है। यह नीति 34 वर्षों के बाद 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रतिस्थापित करती है। नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के सभी स्तरों पर व्यापक सुधारों का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए शिक्षा भी शामिल है। नई शिक्षा नीति 2020 भारत सरकार द्वारा घोषित एक नई शिक्षा नीति है। यह नीति शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कई प्रावधान करती है, जिसमें अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए शिक्षा भी शामिल है।

अधिगम अक्षमता

अधिगम अक्षमता एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जो सीखने की क्षमता को प्रभावित करता है। अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को पढ़ने, लिखने, गणित या अन्य शैक्षणिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। अधिगम अक्षमता कई प्रकार की होती है, जिनमें डिस्लेक्सिया (पढ़ने में कठिनाई), डिस्ग्राफिया (लिखने में कठिनाई) और डिस्कैलकुलिया (गणित में कठिनाई) शामिल हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 और अधिगम अक्षमता

नई शिक्षा नीति 2020 में अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया गया है। नीति में कहा गया है कि सभी छात्रों को शिक्षा का अधिकार है, चाहे उनकी क्षमता कुछ भी हो। नई शिक्षा नीति 2020 में अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं:

- समावेशी शिक्षा: नई शिक्षा नीति 2020 समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देता है, जिसमें अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को सामान्य कक्षाओं में अन्य छात्रों के साथ पढ़ाया जाता है।
- प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप: नई शिक्षा नीति 2020 में अधिगम अक्षमता वाले छात्रों की प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप के महत्व पर जोर दिया गया है। नीति में कहा गया है कि शिक्षकों को अधिगम अक्षमता के लक्षणों को पहचानने और छात्रों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

 © Shodh Patra

- विशेष शिक्षा: नई शिक्षा नीति 2020 में अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए विशेष शिक्षा का प्रावधान किया गया है। नीति में कहा गया है कि विशेष शिक्षा छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए।
- शिक्षक प्रशिक्षण: नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है ताकि वे अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को पढ़ाने के लिए तैयार हो सकें।

अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के समायोजन और कक्षा प्रबंधन के लिए प्रभावी रणनीतियों का विकास -

- अधिगम अक्षमता वाले बच्चों को कक्षा में समायोजित करने और उनके सीखने को प्रभावी बनाने के लिए कुछ विशेष रणनीतियों की आवश्यकता होती है।
- इन रणनीतियों में व्यक्तिगत शिक्षण योजनाएं, सहायक तकनीक का उपयोग, और सकारात्मक व्यवहार समर्थन शामिल हो सकते हैं।
- इस शोध का उद्देश्य अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के समायोजन और कक्षा प्रबंधन के लिए प्रभावी रणनीतियों का विकास करना होगा।

अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका -

- अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की शिक्षा में माता-पिता और शिक्षकों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
- माता-पिता बच्चों को घर पर सहायता प्रदान कर सकते हैं, जबकि शिक्षक उन्हें कक्षा में सहायता प्रदान कर सकते हैं।
- इस शोध का उद्देश्य यह पता लगाना होगा कि अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की शिक्षा में माता-पिता और शिक्षक कैसे एक दूसरे के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के लिए शिक्षा में सुधार के लिए सिफारिशें विकसित करना-

- नई शिक्षा नीति 2020 में अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की शिक्षा के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।
- इन लक्ष्यों में सभी बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, और बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार करना शामिल है।

SHODH PATRA
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
ISSN : 3048-7196, Impact Factor 6.3
Vol. 2, No. 1, Year 2025
Available online : https://shodhpatra.in/

- इस शोध का उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के लिए शिक्षा में सुधार के लिए सिफारिशें विकसित करना होगा।

समायोजन और कक्षा प्रबंधन

अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को उनकी शिक्षा में सफल होने में मदद करने के लिए समायोजन और कक्षा प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं। समायोजन में छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण विधियों और सामग्री को बदलना शामिल है। कक्षा प्रबंधन में एक सकारात्मक और सहायक सीखने का माहौल बनाना शामिल है।

समायोजन के उदाहरण

- छात्रों को पढ़ने में मदद करने के लिए बड़े प्रिंट वाली पुस्तकों या ऑडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग करना।
- छात्रों को लिखने में मदद करने के लिए कंप्यूटर या अन्य सहायक उपकरणों का उपयोग करना।

छात्रों को गणित में मदद करने के लिए ठोस वस्तुओं या दृश्य विज्ञापनों का उपयोग करना।

- छात्रों को ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए शांत वातावरण प्रदान करना।
- छात्रों को अपनी गति से सीखने की अनुमति देना।

कक्षा प्रबंधन के उदाहरण

- छात्रों के साथ सकारात्मक और सहायक संबंध बनाना।
- छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करना।
- छात्रों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों को एक दूसरे का सम्मान करने के लिए सिखाना।
- कक्षा में स्पष्ट नियम और अपेक्षाएं स्थापित करना।

नई शिक्षा नीति 2020 में अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए निम्नलिखित प्रावधान हैं:

- समावेशी शिक्षा: नई शिक्षा नीति 2020 सभी छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा का समर्थन करती है, जिसमें अधिगम अक्षमता वाले छात्र भी शामिल हैं।

© Shodh Patra

- प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप: नई शिक्षा नीति 2020 अधिगम अक्षमता वाले छात्रों की प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप के महत्व पर जोर देती है।
- विशेषज्ञ सहायता: नई शिक्षा नीति 2020 अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए विशेषज्ञ सहायता प्रदान करने की बात करती है।
- शिक्षक प्रशिक्षण: नई शिक्षा नीति 2020 शिक्षकों को अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित करने की बात करती है।

समायोजन और कक्षा प्रबंधन

अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को कक्षा में समायोजित करने और उनके सीखने का प्रबंधन करने के लिए शिक्षकों को कई तरह की रणनीतियों का उपयोग करना होगा। इन रणनीतियों में शामिल हैं:

- छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझना: शिक्षकों को प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझना होगा और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी शिक्षण विधियों को अपनाना होगा।
- सकारात्मक और सहायक वातावरण बनाना: शिक्षकों को कक्षा में एक सकारात्मक और सहायक वातावरण बनाना होगा ताकि अधिगम अक्षमता वाले छात्र सहज महसूस कर सकें और सीखने के लिए प्रेरित हो सकें।
- विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियों का उपयोग करना: शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियों का उपयोग करना होगा ताकि अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को सीखने में मदद मिल सके।
- छात्रों को उनकी प्रगति पर प्रतिक्रिया प्रदान करना: शिक्षकों को छात्रों को उनकी प्रगति पर नियमित रूप से प्रतिक्रिया प्रदान करनी होगी ताकि उन्हें पता चल सके कि वे कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें सुधार के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

निष्कर्ष

नई शिक्षा नीति 2020 अधिगम अक्षमता वाले छात्रों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। नीति में समावेशी शिक्षा, प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप, विशेष शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है। समायोजन और कक्षा प्रबंधन अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को उनकी शिक्षा में सफल होने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह शोध नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने और अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की शिक्षा में सुधार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इस शोध के निष्कर्षों का उपयोग

© Shodh Patra

शिक्षकों को प्रशिक्षित करने, उपयुक्त शिक्षण सामग्री विकसित करने, और अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के लिए प्रभावी नीतियां बनाने के लिए किया जा सकता है।

सन्दर्भ

- Bhat, M. U. (2017). Inclusive Education in India: Issues, Challenges
- and Prospects. The Communication, 138-142.
- B.Venkateswarlu. (2021). A CRITICAL STUDY OF NEP-2020:
- ISSUES, APPROACHES, CHALLENGES,
- OPPORTUNITIES AND CRITICISM. INTERNATIONAL
- JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL
- RESEARCH, 191-196.
- Dr, R. P. (2020). NEW EDUCATION POLICY: QUALITATIVE
- (CONTENTS) ANALYSIS AND QWITTER MINING
- (SENTIMENT ANALYSIS). Journal of content, Community
- and Communication, 4-13.
- Draft National Education Policy2019. (n.d.). Retrieved from
- https://innovate.mygov.in/wpcontent/uploads/2019/06/mygov1
- 5596510111.pdf
- Hasan, M. (2018). Inclusive Education& Education for All.
- International Journal of Research and Analytical Reviews.
- Hossain, A. (2021). Inclusive Education in India: Opportunities and
- challenges. International Journal of Creative Research
- Thoughts, 4487-4491.
- Kothari, A. (2021). Rashtriya Shiksha Neeti-2020 Bharatiyata ka
- punarutthan. New Delhi: Prabhat Prakashan.
- Lakshmi, R. (2018). Inclusive Education in India : Challenges and
- Prospects. IJRMMS, 38-42.